

ग्रसाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II--- लण्ड 3 -- उपलब्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राचिकार से प्रकाशित

# PUBLISHED BY AUTHORITY

· OVI.

सं० 384] नर्द विस्ती, शुक्रवार, सितम्बर 26, 1975/माश्विन 4, 1897 No. 384] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 26, 1975/ASVINA 4, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 26th September 1975

S.O. 538(E).—The following Order made by the President is published for general information:—

#### ORDER

Whereas my predecessor-in-office had on 28th March, 1974, made an Order, suspending for a period of six months the operation of certain provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), (hereinafter referred to as "the Act") in relation to the Union territory of Pondicherry, and making certain incidental and consequential provisions which appeared to him to be necessary and expedient for administering the Union territory of Pondicherry in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period:

And whereas I had on 26th September. 1974 and 7th March, 1975, made further Orders continuing the suspension of operation of the provisions of the Act, suspended under the aforesaid Order for a further period of six months on each occasion from the date or which the first mentioned Order would otherwise have expired;

And whereas I have received a report from the Administrator of the Union territory of Pondicherry and, after considering the report and other information received by me, I am satisfied that the situation in the Union territory continues to be such that the administration of that territory cannot be carried on in accordance with the provisions of the Act and

that for the proper administration of the Union territory it is necessary that the operation of the provisions of the Act suspended by my predecessor-in-office under the first mentioned Order should continue to remain suspended, and the incidental and consequential provisions made therein should continue to operate, beyond the period of one year and six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 51 of the Act and all other powers enabling me in that behalf, I. Fakhruddin Ali Ahmed, President of India, hereby direct,—

- (a) that the operation of the provisions of the Act, suspended by virtue of clause (a) of the first mentioned Order, shall continue to remain suspended, and the incidental and consequential provisions made by virtue of clause (b) of the aforesaid Order shall continue to be operative, for a further period of six months with effect from the 28th September, 1975; and
- (b) that for the words "one year and six months" occurring in clause (a) of the first mentioned Order, as subsequently amended, the words "two years" shall be substituted.

New Delhi; The 25th September, 1975. FAKHRUDDIN ALI AHMED,

President.

[No. U-11012/1/75-UTL] K. R. PRABHU, Addl. Secy.

गृह मंत्रालय

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1975

का जा 538 (म्र).—-राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्नलिखित म्रादेश सर्वसाधारण को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है:—-

#### प्रविश

मेरे पद में पूर्ववर्ति ने 28 मार्च, 1974 को एक आदेश किया था जिसमें पाण्डीचेरी संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में संव राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिनियम" कहा गया है) के कतिषय उपबंधों का प्रवर्तन, छह मास की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था और जिसमें पूर्वोंक्त अवधि के दौरान, संविधान के अनुच्छेद 239 के उन्बंधों के अनुसरण में पाण्डीचेरी संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासन के लिए ऐसे कतिपयन आनुषंगिक और पारिणामिक उनबंध बनाए गए थे, जो उन्हें आवश्यक और समीचीन प्रतीत हए;

श्रीर मैंने 26 सितम्बर, 1974 श्रीर 7 मार्च, 1975 को, उस तारीख से जिसको प्रथम वर्णित श्रादेश श्रन्यथा समाप्त हो गया होता, प्रत्येक श्रवसर पर छह मास की श्रीर श्रविध के लिए पूर्वीक्त श्रादेश के श्रधोन निलंबित, श्रिधिनियम के उपवन्धों के प्रवर्तन का निलंबन जारी रखने के लिए श्रीर श्रादेश किए थे;

श्रौर मुझे पाण्डीचेरी संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासक से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है श्रौर मुझे प्राप्त रिपोर्ट तथा श्रन्य जानकारी ५र विचार करने के पश्चात् मेंरा यह सपाधान हो गया है कि संघ राज्यक्षेत्र में ऐसी स्थिति जारी है कि उस राज्यक्षेत्र का प्रशासन श्रधिनियम के उपबन्धों के श्रनुसार नहीं चलाया जा सकता भीर यह कि संब राज्यक्षेत्र के उचित प्रशासन के लिए, यह भावस्यक है कि प्रथम वर्णित भादेश के भ्रधीन मेरे पद में पूर्ववर्ती द्वारा निलंबित श्रधिनियम के उपबंधों का प्रवर्तन निलंबित ही बना रहना चाहिए और उसमें बनाए गए भानुषंगिक भीर पारिणापिक उपबंध डेढ़ वर्ष की श्रवधि के पर प्रवर्तित रहने चाहिए।

म्रतः, म्रब, मैं, फल्करुद्दीन भ्रली श्रहमद, भारत का राष्ट्रपति, श्रधिनियम की धारा 51 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त मुझे समर्थ बनाने वाली सभी श्रन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देता हूं:--

- (क) कि अधिनियम के उपबंधों का प्रवर्तन, जिसे प्रथम विणित आदेश के खण्ड (क) के आधार पर निलंबित किया गया था, निलंबित ही रहेगा और पूर्वोक्त आदेश की मद (ख) के आधार पर बनाए गए आनुषंगिक और पारिणामिक उपबंध 28 सितम्बर, 1975 से छह मास की और अवधि के लिए प्रधितत रहेंगे; और
- (ख) यह कि यथा तत्पश्चात् संशोधित प्रथम वर्णित ग्रादेश के खण्ड (ख) में ग्राए हए "डेढ़ वर्ष" शब्दों के स्थान पर "दो वर्ष" शब्द रखे जाएंगे।

नई दिल्ली,

फखरुद्दीन ग्रली ग्रहमद,

तारीख 25 सितम्बर, 1975

राष्ट्रपति ।

[सं० यू~11012/1/75—यू० टी० एल०] के० घार० प्रभु, ग्रपर सचिव ।